रणथंभौर टाइगर रज़िर्व

चर्चा में क्यों?

हाल ही में **वन वभािग** ने एक साहसकि रैली के दौरान **रणथंभौर टाइगर रज़िर्व (RTR)** में अवैध रूप से प्रवेश करने वाले **14 SUV मालकिों पर 1-1 लाख रुपए का जुर्माना लगाया।**

प्रमुख बदिु

- यह जुर्माना **वन्यजीव अधनिियिम, 1972 की धारा 27/51** के अनुसार लगाया गया।
- **परचिय:**
    - रणथंभौर टाइगर रज़िर्व राजस्थान राज्य के पूर्वी भाग में करौली और सवाई माधोपुर ज़िलों में अरावली तथा वधि्य पर्वत शृंखलाओं के संगम पर स्थति है।
    - इसमें रणथंभौर राष्ट्रीय उद्यान के साथ-साथ सवाई मानसहि और कैलादेवी अभयारण्य भी शामलि हैं।
    - रणथंभौर कलिा, जसिके नाम से जंगलों का नाम पड़ा है, के बारे में कहा जाता है कि इसका इतहिास 1000 वर्ष से भी ज़्यादा पुराना है। यह उद्यान के भीतर 700 फीट ऊँची पहाड़ी पर रणनीतकि रूप से स्थति है और माना जाता है कि इसका नरि्माण 944 ई. में एक चौहान शासक ने करवाया था।
    - बाघों से आच्छादति यह पृथक क्षेत्र **बंगाल बाघ के वतिरण क्षेत्र की उत्तर-पश्चमिी सीमा का प्रतनिधित्वि करता है और यह देश में संरक्षण के लयि प्रोजेक्ट टाइगर के प्रयासों का एक उत्कृष्ट उदाहरण है।**
- **वशिषताएँ:**
    - इस रज़िर्व में अत्यधकि खंडति वन क्षेत्र, खड्ड, नदी-नाले और कृषि भूमि शामलि हैं।
    - यह कैलादेवी वन्यजीव अभयारण्य के कुछ हस्सिों, चंबल के खड्डों वाले आवासों और श्योपुर के वन क्षेत्रों के माध्यम से **मध्य प्रदेश के कुनो-पालपुर परदृश्य से जुड़ा** हुआ है।
    - **चंबल नदी की सहायक नदियाँ** बाघों को कुनो राष्ट्रीय उद्यान की ओर जाने के लयि आसान मार्ग प्रदान करती हैं।
- **वनस्पति एवं वन्य जीवन:**
    - **वनस्पति** में पठारों पर घास के मैदान और मौसमी नदयिों के कनिारे घने जंगल शामलि हैं।
        - यहाँ का जंगल मुख्य रूप से **उष्णकटबिंधीय शुष्क पर्णपाती है, जसिमें 'ढाक' (ब्यूटयिा मोनोस्पर्मा)** नामक वृक्ष की प्रजाति सबसे आम है, जो लंबे समय तक सूखे को झेलने में सक्षम है।
        - **इस पेड़ को 'जंगल की आग' भी कहा जाता है** और यह उन कई फूलों वाले पौधों में से एक है जो यहाँ की शुष्क गर्मयिों में रंग भर देते हैं।
    - यह उद्यान **वन्य जीवन** से समृद्ध है, जसिमें स्तनधारयिों में बाघ खाद्य शृंखला के शीर्ष पर हैं।
    - यहाँ पाए जाने वाले अन्य जानवरों में तेंदुए, धारीदार लकड़बग्घा, सामान्य या हनुमान लंगूर, **रीसस मकाक**, सयिार, जंगली बल्लियाँ, कैराकल, **काला हरिण**, ब्लैकनेप्ड खरगोश और चकिारा आदि शामलि हैं।
- **राजस्थान में अन्य संरक्षति क्षेत्र:**
    - **सरसि्का राष्ट्रीय उद्यान**, अलवर
    - **मरुभूमि राष्ट्रीय उद्यान**, जैसलमेर
    - **केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान**, भरतपुर
    - **सज्जनगढ़ वन्यजीव अभयारण्य**, उदयपुर
    - **राष्ट्रीय चंबल अभयारण्य** (राजस्थान, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के त्रि-जंक्शन पर स्थति)।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/suggestions-for-rajasthan-investor-summit-2024-1